22 April, 2013

दैनिक ट्रिब्यून

नजरअंदाज नहीं कर सकते सोशल मीडिया का प्रभाव

शिमला। दि ट्रिब्यून के एसोसिएट एडिटर दिनेश कुमार ने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के प्रभाव को किसी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस मीडिया की गंभीरता को भी समझने की जरूरत है। बचत भवन में पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) शिमला चैप्टर की ओर से राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार पीसी लोहमी ने कहा कि सोशल मीडिया एक क्रांति बनकर उभरा है। रविंद्र मखैक का मत था कि अगले दस साल में मीडिया प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए एक बड़ी चुनौती बनने वाला है।